

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



سورۃ النور

مفتی محمد رفیع الرحمن

3687-CVC-2022

تَنْ مَنُورُ مَرْسَرُ

كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو
 اَرَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو كَرْدَمُو

تک سوره برتری

دانشگاه تهران

وَجَعَلْنَا قُلُوبَهُمْ غَافِلِينَ ۖ أَفَلَا يَرَوْنَ

تَرْجُومَةُ سَلَامَةِ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

تَرْجُومَةُ

(C-0017/2010 سري سري سري)

سر د ستر محمد مراد

1444 20

2023 జులై 07

زمرہٴ عربیہ

1444 ۱۰

2022 年 06 月

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۱۷۵

3002704, 3002703 : مَوَاسِمُ وَفُجُورِ | 3002702 : سَائِرُ سَنَةِ وَفُجُورِ | 3002700, 3002701 : زَمَانُ سَنَةِ وَفُجُورِ | 20212 : عَمَلُ سَنَةِ وَفُجُورِ

www.civilcourt.gov.mv : ڳوٺ-ڳوٺ | info@civilcourt.gov.mv : ڳوٺ-ڳوٺ



[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

پرسریر

[illegible]

[illegible]

